



हिमाचल प्रदेश जायका कृषि परियोजना-II

विशेष डायरी

हमीरपुर: 11 जून 2026



जायका मिशन प्रमुख ताकेउची ताकुरो ने परियोजना की प्रगति को सराहा *डॉ. सुनील चौहान ने परियोजना की उपलब्धियों पर प्रस्तुतीकरण दिया



धर्मशाला, 11 जून 2026: जायका-इंडिया मिशन के प्रमुख ताकेउची ताकुरो ने समापन बैठक (रैप-अप मीटिंग) के दौरान हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना-II के अंतर्गत हुई प्रगति की सराहना की। इस अवसर पर परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान ने मिशन को परियोजना की उपलब्धियों एवं प्रगति से अवगत कराया। यह बैठक गुरुवार को धर्मशाला में हुई। जायका

बैठक को संबोधित करते हुए ताकेउची ताकुरो ने परियोजना-II के तहत हुई प्रगति तथा किसानों एवं हितधारकों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में माचा चाय, फल, सब्जियां तथा प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों जैसे उच्च-मूल्य कृषि उत्पादों के विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने तथा रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए मूल्य संवर्धन, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन तथा बाजारोन्मुखी दृष्टिकोण के महत्व पर बल दिया। बैठक का समापन कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ बनाने, कृषि-व्यवसाय के अवसरों को बढ़ावा देने तथा किसानों के हित में परियोजना हस्तक्षेपों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने संबंधी सकारात्मक चर्चाओं के साथ हुआ।

अपने प्रस्तुतीकरण में डॉ. सुनील चौहान ने सिंचाई एवं आधारभूत संरचना विकास, फसल विविधीकरण, उच्च-मूल्य फसलों के प्रोत्साहन, किसान समूहों के सशक्तिकरण, बाजार संपर्कों तथा आजीविका सुधार के क्षेत्रों में परियोजना की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परियोजना किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने तथा उनकी आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही है।

मिशन ने पालमपुर क्षेत्र में चाय बागानों, किसान समूहों, सहकारी समितियों तथा कृषि प्रसंस्करण इकाइयों के अपने भ्रमण के अनुभव और अवलोकन भी साझा किए। मिशन के सदस्यों ने चाय उत्पादन, सब्जी उत्पादन, मूल्य संवर्धन तथा कृषि-व्यवसाय उद्यमिता के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। हिमाचल प्रदेश में माचा चाय की संभावनाओं पर विशेष चर्चा की गई। यह

अवलोकन किया गया कि कांगड़ा क्षेत्र की अनुकूल जलवायु तथा मौजूदा चाय क्षेत्र एक सतत माचा उद्योग के विकास के लिए उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। इसके लिए प्रशिक्षण, प्रसंस्करण सुविधाओं, ब्रांडिंग तथा बाजार संपर्कों की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

इस अवसर पर डॉ. राजेश कुमार एवं डॉ. करतार सिंह, उप परियोजना निदेशक; डॉ. वाई.पी. कौशल, जिला



मिशन के अन्य सदस्यों में श्री कोड्डे सोता, वरिष्ठ प्रतिनिधि; सुश्री ताड़को इवामोटो, प्रतिनिधि; तथा सुश्री निश्ता वेंगुरलेकर, विकास विशेषज्ञ, जायका इंडिया शामिल थे। परियोजना के वरिष्ठ सलाहकार श्री बी.एस. संधू भी बैठक में उपस्थित रहे। यह हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना-द्वितीय के अंतर्गत जायका इंडिया मिशन की वर्तमान यात्रा का तीसरा दिन था।



परियोजना प्रबंधक, पालमपुर; डॉ. आशीष आनंद एवं डॉ. राकेश शर्मा (एसपीएमयू); डॉ. रजनीश शर्मा, विषय विशेषज्ञ (SMS); तथा डॉ. अमित भूषण, ब्लॉक परियोजना प्रबंधक, पालमपुर भी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त पीएमसी के सह-टीम लीडर इंजी. अनिल अग्रवाल तथा एफपीओ विशेषज्ञ इंजी. सुदर्शन सूर्यवंशी भी बैठक में मौजूद रहे।